Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to declare Rohtashgarh Fort in Bihar as a tourist place of national importance.

श्री छेदी पासवान (सासाराम): रोहतासगढ़ किला भारतवर्ष में प्राचीन एवं विशाल पहाड़ी दुर्गों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। रोहतासगढ़ किला गया-मुगलसराय रेल खण्ड एवं शेरशाह सूरी पथ डेहरी ऑन-सोन से 45 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में विंध्य पर्वत पर स्थित है। रोहतास मुख्यालय से 55 किलोमीटर इसकी दूरी है। यह समुद्र तल से 1800 फीट की ऊँचाई पर कैमूर पहाड़ी पर स्थित है। लगभग 28 मील की परिधि में फैले इस किले में सराय महल, रंग महल, शीश महल, पंच महल, फूल महल, आइना महल, रानी का झरोखा, मान सिंह की कचहरी, सिंहासन कक्ष, हथिया पोल विवाह-मण्डप चौरासन, रोहिताश्व, गणेश मंदिर, फांसी घर आदि आज भी दर्शनार्थ विद्यमान है। इसमें लगभग नौ सौ पचास बड़े कमरे तथा नौ हजार छोटे कमरे हैं। इसकी बनावट पूर्णतः वैज्ञानिक ढंग से की गयी है, जिससे सभी कमरों में सूर्य की किरणें सहजता से गमन कर सके। संप्रति यह आदिवासियों का तीर्थ स्थल भी है जहां प्रत्येक वर्ष देशभर के आदिवासी समाज का वृहत् मेला लगता है। अतः रोहतासगढ़ किले को राष्ट्रीय महत्व का पर्यटक स्थल घोषित कर विकसित किया जाए।